दैनिक भास्कर 11.09.19.

डीएवीवी : सोशल साइंस विभाग ने गोद लिए 19 स्कूल, आठवीं और नौवीं के विद्यार्थियों का संवार रहे करियर

एससीपी योजना : बच्चों के खिलाफ अपराध और ड्रग्स के बारे में किया जा रहा जागरूक

भास्कर संवाददाता | इंदौर

स्टूडेंट कैडेट पुलिस (एससीपी) योजना के तहत डीएवीवी के स्कूल ऑफ सोशल साइंस विभाग ने शहर के 19 सरकारी स्कूलों को गोद लिया है। संस्थान के एमए क्लिनिकल साइकोलॉजी के छात्र हर बुधवार इन स्कूलों के आठवीं और नौवीं के पांच-पांच छात्रों का ग्रुप बनाकर खास बिंदुओं पर डेढ़ घंटे की ट्रेनिंग दे रहे हैं। पहले दौर में छात्रों को नशा मुक्ति, पॉक्सो एक्ट (बच्चों के खिलाफ अपराध) और ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई सहित अन्य सामाजिक बुराइयों पर चर्चा होती है, जबकि दूसरे दौर में छात्रों के करियर खासकर दसवीं की परीक्षा और 11वीं में लिए जाने वाले विषय जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है।

संस्था की हेड ने कहा- गरीब बच्चों में सामाजिक बदलाव ला पाएंगे

संस्था की हेड डॉ. रेखा आचार्य के मुताबिक, इस पहल से हम कम से कम इन 19 शासकीय स्कूलों में पढ़ रहे निर्धन बच्चों में एक सामाजिक बदलाव ला पाएंगे, क्योंकि ज्यादातर दिक्कतें आर्थिक के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों से भी जुड़ी हैं। हम उसे दूर करने के साथ इन छात्रों को पढ़ाई के साथ हुनर सीखने के प्रति भी जागरूक करेंगे।

इधर, बीए के छात्रों को संस्थान देगा पीएससी- यूपीएससी की मुफ्त कोचिंग

संस्थान बीए के लगभग 100 छात्रों को पीएससी और यूपीएससी की मुफ्त कोचिंग भी देगा। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम मौजूद रहेगी। डॉ. आचार्य ने बताया- हमारे विभाग में बीए की पढ़ाई कर रहे 90 फीसदी छात्र पीएससी और यूपीएससी में जाना चाहते हैं, लेकिन महंगी कोचिंग के कारण घर में तैयारी करना पड़ती है। यही वजह है कि विभाग में ही ऐसे छात्रों को हर शनिवार यह कोचिंग दी जाएगी। छात्र कई घंटे तक कोचिंग ले सकेंगे। इस दौरान उन्हें होमवर्क दिया जाए समझाया जाएगा कि घर में रहकर कै करें? ताकि सप्ताह के बाकी छह दि रहकर आसानी से तैयारी कर सकें।

नैक के तारीख नहीं देने से टीम का अक्टूबर में आना मुश्किल, अब नवंबर में हो सकता है दौरा

कुलपति ने कहा- हमारी तैयारी ए डबल प्लस की

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में नैक (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल) की टीम के अक्टूबर में आने की संभावना कम है। यूनिवर्सिटी ने 14 अक्टूबर की तारीख दी थी, लेकिन उसने कोई शेड्यूल जारी नहीं किया। नैक सवा से डेढ़ माह पहले दौरे की तारीख तय कर देता है। ऐसे में संभावना है कि नैक की टीम नवंबर में मांगी गई 4 या 21 तारीख पर आ सकती है।

पिछली बार 3.09 पॉइंट के साथ ए ग्रेड पाने वाली यूनिवर्सिटी को इस बार बदली हुई गाइड लाइन के तहत ए डबल प्लस ग्रेड के लिए दावा करना है। कुलपति प्रो. रेणु जैन ने कहा कि ए प्लस का हमें पूरा विश्वास है, लेकिन हमने ए डबल प्लस ग्रेड की तैयारी की है। प्रो. एके सिंह के अनुसार टीम के नवंबर में आने की संभावना है, अगर अक्टूबर में भी आती है तो नैक से जुड़े सारे तकनीकी काम हो चुके हैं। 70 फीसदी अंकों के लिए हम एसएसआर (सेल्फ स्टडी रिपोर्ट) पहले ही भेज चुके हैं। यह निरीक्षण 30 फीसदी अंकों के लिए है।

ये हैं प्लस पॉइंट

- 33 टीचिंग विभागों में औसत 50 फीसदी प्लेसमेंट। आईएमएस, आईआईपीएस, आईईटी जैसे विभागों में 70 फीसदी औसत प्लेसमेंट।
- हर विभाग की आधुनिक लैब, कम्प्यूटर लैब, लाइब्रेरी। दो साल के भीतर 12 नए स्पेशलाइजेशन वाले कोर्स शुरू किए।
- बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर, बेहतर रिसर्च। 100 से ज्यादा प्रोफेसरों के रिसर्च पेपर प्रेजेंट हुए। 400 रिसर्च पेपर पब्लिश हुए।
- 64 प्रोफेसरों की टीम के गाइडेंस में 400 से ज्यादा पीएचडी।

इनसे हो सकती है परेशानी

- एसोसिएट प्रोफेसरों के 80 और असिस्टेंट प्रोफेसरों के 40 पद खाली हैं। तकनीकी स्टाफ के 286 पद स्वीकृत हैं, लेकिन 119 ही भरे हैं। 167 खाली हैं।
- अनुबंध के आधार पर 191 फैकल्टी को भर्ती पर नैक के बाद नैक को यह बताने में परेशानी होगी कि नियुक्ति को लेकर क्या करेंगे?